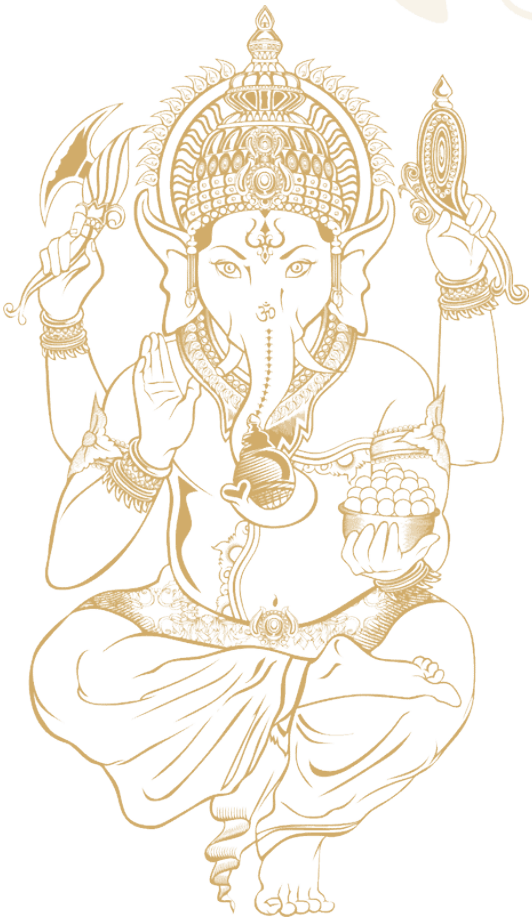

Mr.ANJALI

06 Feb 1992

08:55 PM

Kasauli

Model: Varshphal-2017

Order No: 120598101

तिथि 06/02/1992 **समय** 20:55:00 **वार** गुरुवार **स्थान** Kasauli **चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:45:06
अक्षांश 30:54:00 उत्तर **रेखांश** 76:57:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:22:12 घंटे

पंचांग		अवकहड़ा चक्र	
साम्पातिक काल	05:36:53 घं	गण	मनुष्य
वेलान्तर	00:14:04 घं	योनि	सिंह
सूर्योदय	07:11:31 घं	नाड़ी	आद्य
सूर्यास्त	18:01:18 घं	वर्ण	शूद्र
चैत्रादि संवत	2048	वश्य	मानव
शक संवत	1913	वर्ग	मेष
मास	माघ	युँजा	अन्त्य
पक्ष	शुक्ल	हंसक	वायु
तिथि	3	जन्म नामाक्षर	सो-सौम्या
नक्षत्र	पू०भाद्रपद	पाया(रा.-न.)	स्वर्ण-लौह
योग	शिव	होरा	शनि
करण	गर	चौघड़िया	चर

विंशोत्तरी
गुरु 10वर्ष 5मा 16दि
बुध
24/07/2021
24/07/2038

बुध	21/12/2023
केतु	17/12/2024
शुक्र	18/10/2027
सूर्य	23/08/2028
चन्द्र	23/01/2030
मंगल	20/01/2031
राहु	08/08/2033
गुरु	14/11/2035
शनि	24/07/2038

योगिनी
भ्रामरी 2वर्ष 7मा 11दि
धान्या
19/09/2023
19/09/2026

धान्या	19/12/2023
भ्रामरी	19/04/2024
भद्रिका	18/09/2024
उल्का	20/03/2025
सिद्धा	19/10/2025
संकटा	19/06/2026
मंगला	20/07/2026
पिंगला	19/09/2026

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			01:15:13	कन्या	उ०फाल्गुनी	2	सूर्य	गुरु	---	0:00			
सूर्य			23:20:41	मक	धनिष्ठा	1	मंगल	मंगल	शत्रु राशि	1.15	भ्रातृ	पितृ	मित्र
चंद्र			24:36:57	कुंभ	पू०भाद्रपद	2	गुरु	बुध	सम राशि	1.55	अमात्य	मातृ	जन्म
मंगल			27:26:45	धनु	उत्तराषाढ़ा	1	सूर्य	चंद्र	मित्र राशि	1.19	आत्मा	भ्रातृ	साधक
बुध		अ	19:08:34	मक	श्रवण	3	चंद्र	बुध	सम राशि	0.90	पुत्र	ज्ञाति	वध
गुरु	व		18:41:23	सिंह	पू०फाल्गुनी	2	शुक्र	राहु	मित्र राशि	1.23	ज्ञाति	धन	प्रत्यारि
शुक्र			21:24:15	धनु	पूर्वाषाढ़ा	3	शुक्र	गुरु	सम राशि	1.05	मातृ	कलत्र	प्रत्यारि
शनि		अ	16:24:34	मक	श्रवण	2	चंद्र	शनि	स्वराशि	1.52	कलत्र	आयु	वध
राहु	व		15:29:37	धनु	पूर्वाषाढ़ा	1	शुक्र	शुक्र	नीच राशि		---	ज्ञान	प्रत्यारि
केतु	व		15:29:37	मिथु	आर्द्रा	3	राहु	शुक्र	नीच राशि		---	मोक्ष	अतिमित्र

लग्न-चलित

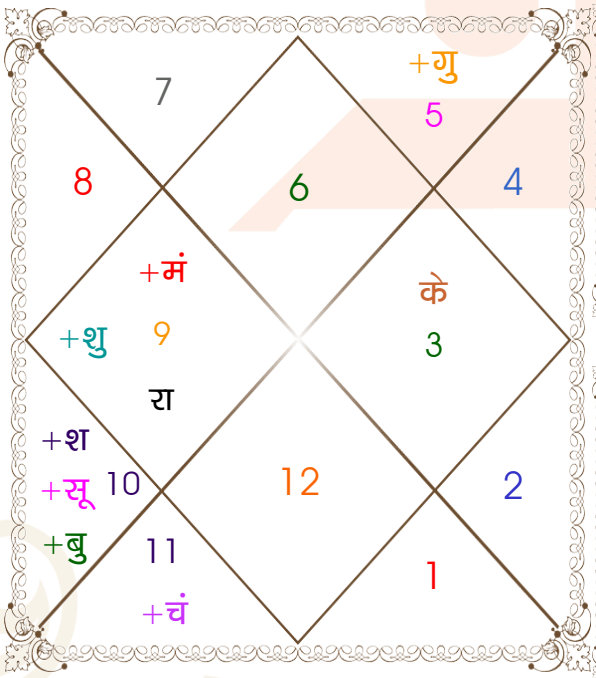

चन्द्र कुंडली

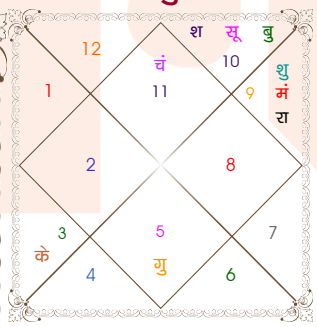

नवमांश कुंडली

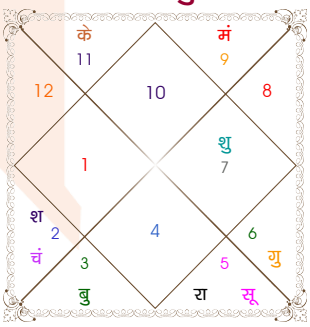

सर्वाष्टकवर्ग

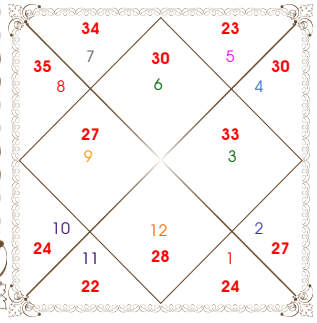

दशमांश कुंडली

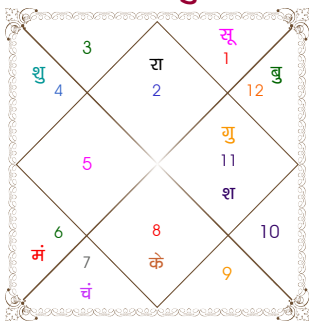

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा उत्साह एवं परिश्रम पूर्वक आपके समस्त शुभ एवं सांसारिक कार्य सम्पन्न होंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक स्थिति भी इस समय अच्छी रहेगी तथा मन में शान्ति एवं सन्तुष्टि बनी रहेगी। इस वर्ष में व्यक्तिगत सुख शान्ति तथा समृद्धि बनी रहेगी तथा पारिवारिक जनों से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा। संतति पक्ष से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा अपने कार्य क्षेत्र में उन्नतिशील रहेंगे। साथ ही इस वर्ष में आपको पुत्र संतति की प्राप्ति भी हो सकती है। धर्म के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों को आप सम्पन्न करते रहेंगे। साथ ही धार्मिक नेताओं से सम्पर्क एवं तीर्थयात्रा के भी योग बनेंगे। इस समय आपकी बुद्धि तीक्ष्ण रहेगी तथा सभी लोग आपकी बुद्धिमता से प्रभावित रहेंगे तथा आप पर पूर्ण विश्वास करेंगे। अतः आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश में अभिवृद्धि होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए भी यह वर्ष उत्तम रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी इच्छित उन्नति एवं विस्तार होगा तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त होंगे। साथ ही राज्य या सरकार के द्वारा आपको कोई विशिष्ट सम्मान भी प्राप्त हो सकता है। नौकरी या राजनीति में भी इस समय आपको महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। शत्रु या विरोधी पक्ष को इस समय आप पराजित करेंगे तथा नवीन आय स्रोतों में वृद्धि करके आर्थिक रूप से सुदृढ़ रहेंगे। साथ ही कोई विशष्ट लाभ भी हो सकता है। अतः यह समय आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्य शाली रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक आपका समय व्यतीत होगा।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा अपने सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो का आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगी साथ ही मानसिक स्थिति भी उत्तम रहेगी तथा मन से प्रसन्न तथा शान्त रहेंगी इस वर्ष में आप धन धान्य एवं ऐश्वर्य से परिपूर्ण रहेंगी तथा सुख पूर्वक इनका उपभोग करेंगी। साथ ही आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होता रहेगा। पति से इस समय आप इच्छित सहयोग प्राप्त करेंगी तथा परस्पर संबंधों में भी मधुरता रहेगी फलतः आपका दाम्पत्य जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा। संतति पक्ष से भी आप इस समय प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगी एवं अपने कार्य क्षेत्र में वे उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे। इसके साथ ही आपके रूके हुए महत्वपूर्ण कार्य पूर्ण होंगे तथा सौभाग्य में भी वृद्धि होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा । इस समय व्यापार में आपको इच्छित सफलता मिलेगी तथा इच्छित लाभ भी होगा, साथ ही व्यापार में विस्तार या नवीन कार्य का प्रारंभ भी हो सकता है। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी आपको इच्छित सफलता मिलेगी एवं आपके उच्चाधिकारी या वरिष्ठ नेता आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे एवं उनसे आपको इच्छित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। इस समय आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे साथ ही वाहन या आवास संबंधी सुख भी आपको प्राप्त होगा । अतः आप सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगी।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा आप अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगी तथा इनमें आपको समय समय पर इच्छित सफलता की भी प्राप्ति होगी। इस समय मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगी तथा मन में स्फूर्ति का भाव विद्यमान रहेगा। इस वर्ष में आपकी बुद्धि निर्मल तथा शुद्ध रहेगी तथा अपनी बुद्धिमता से आप अन्य जनों पर अपना प्रभुत्व स्थापित करने में समर्थ रहेंगी साथ ही सभी सामाजिक लोग आपसे पूर्ण प्रभावित रहेंगे एवं आपको अपना पूर्ण सम्मान एवं सहयोग प्रदान करेंगे। इस समय आप स्व बुद्धिबल से जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता प्राप्त करेंगी। संतति पक्ष से भी आपको पूर्ण सहयोग एवं प्रसन्नता मिलेगी तथा अपने क्षेत्र में उन्नति तथा सफलता के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे ।इसके साथ ही कार्य क्षेत्र में भी आप उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगी तथा प्रभाव तथा यश में भी वृद्धि होगी।

इस समय आपके हृदय में धार्मिकता के भाव की प्रबलता रहेगी तथा धर्मसंबधी कार्यो को करने के लिए आप तत्पर रहेंगी। देवता तथा ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा रहेगी तथा श्रद्धापूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करने में तत्पर रहेंगी।इसके साथ ही किसी शुभ पुण्य या किसी परोपकार संबधी कार्य में भी आपकी रूचि होगी तथा श्रद्धापूर्वक आप इन कार्यो को सम्पन्न करेंगी एवं यत्नपूर्वक अपना सहयोग प्रदान करेंगी। नाना प्रकार के भौतिक सुख संसाधनों की भी आपको इस समय प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक आप इनका उपभोग करेंगी। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे सन्तुष्ट रहेगा तथा उनसे आप वांछित सहयोग तथा लाभ समय समय पर प्राप्त करेंगी। अतः आपका समय आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थितियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा तथा यदा कदा आपको शारीरिक रूप से परेशानी हो सकती है लेकिन इसका कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं रहेगा। मानसिक स्थिति भी सामान्यतया अच्छी ही रहेगी परन्तु यदा कदा अशान्ति का भाव भी विद्यमान रहेगा । इस वर्ष मित्र तथा बन्धु वर्ग से आपके संबध सामान्यतया मधुर रहेंगे तथा उनसे न्यूनाधिक सहयोग एवं लाभ आपको प्राप्त होता रहेगा। साथ ही आप भी अवसरानुकूल उनको अपना सहयोग प्रदान करती रहेंगी। संतति पक्ष का सहयोग एवं सुख भी मध्यम ही रहेगा परन्तु अपने कार्य क्षेत्र में वे परिश्रम पूर्वक उन्नतिशील रहेंगे। इस वर्ष में आपकी आर्थिक स्थिति मध्यम रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होता रहेगा लेकिन यदा कदा व्यय की अधिकता रहेगी। लेकिन इसका कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं रहेगा।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष सामान्य शुभ रहेगा तथा अत्यंत ही परिश्रम एवं पराक्रम से ही इस क्षेत्र में आपको उन्नति तथा लाभ प्राप्त होगा। साथ ही इस समय नवीन कार्यो को प्रारंभ न करें तथा पुराने कार्य पर ही परिश्रम करें। नौकरी या राजनीति में यद्यपि पदोन्नति की संभावनाएं बनेंगी परन्तु इसमें अनावश्यक विलम्ब या व्यवधान उत्पन्न हो सकता है परन्तु अन्ततोगत्वा आप सफलता प्राप्त कर सकेंगी। इस समय शत्रु पक्ष भी आपके लिए परेशानी उत्पन्न करने की कोशिश करेगा परन्तु आप उनका दमन करने में समर्थ रहेंगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपके संबध सामान्य रहेंगे। अतः इस वर्ष में आपको सफलताएं अत्यंत ही परिश्रम एवं पराक्रम से प्राप्त होंगी। अतः प्रयत्न एवं परिश्रम शील रहें।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

प्रथम मास

06/02/2025 08:05:39 से 08/03/2025 02:50:28 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कुम्भ	शतभिषा	10:18:53
सूर्य		मकर	धनिष्ठा	23:20:41
चन्द्र		वृष	कृतिका	03:23:36
मंगल	व	मिथुन	पुनर्वसु	24:53:54
बुध		मकर	श्रवण	20:50:21
गुरु		वृष	रोहिणी	17:04:31
शुक्र		मीन	उ०भाद्रपद	07:04:41
शनि		कुम्भ	पू०भाद्रपद	23:46:45
राहु	व	मीन	उ०भाद्रपद	03:59:43
केतु	व	कन्या	उ०फाल्गुनी	03:59:43
मुंथा		मिथुन	मृगशिरा	01:15:13

मासाधिपति

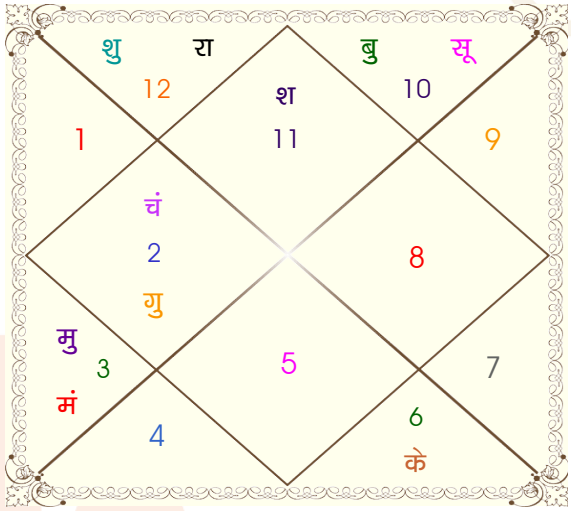

मासाधिपति : गुरु

इस मास को आप प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत करेंगी। इस समय आपकी बुद्धि निर्मलता से युक्त होगी तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी बुद्धि बल से सम्पन्न करेंगी। साथ ही आप पुत्र सुख तथा अन्यप्रकार से द्रव्यलाभ भी अर्जित करेंगी। इस महीने में आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा सभी लोग इसको मन से स्वीकार करेंगे। इस समय आप सांसारिक महत्व के शुभ कार्यों को भी सम्पन्न करेंगी तथा शुभ समाचार भी प्राप्त होते रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी सेवा तथा पूजन करेंगी। इसके अतिरिक्त उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप अनकूल लाभ अर्जित करेंगी। इस समय आपकी अधिकांश मानसिक चिताएं दूर होंगी एवं समाज से पूर्ण मान एवं प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगी।

साथ ही इस मास में आप उच्चाधिकारी वर्ग से लाभ एवं सहयोग भी प्राप्त कर सकती हैं तथा अपने कार्य क्षेत्र में भी उन्नति प्राप्त करेंगी। इस समय आप देश विदेश की लाभदायक यात्रा भी कर सकती हैं साथ ही नवीन वस्त्रों तथा अन्य प्रकार के सुखों को भी अर्जित करने में सफल रहेंगी।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

द्वितीय मास

08/03/2025 02:50:28 से 07/04/2025 08:35:46 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	मूल	13:09:31
सूर्य		कुम्भ	पू०भाद्रपद	23:20:41
चन्द्र		मिथुन	आर्द्रा	08:31:39
मंगल		मिथुन	पुनर्वसु	23:37:40
बुध		मीन	उ०भाद्रपद	11:29:57
गुरु		वृष	रोहिणी	18:40:40
शुक्र	व	मीन	उ०भाद्रपद	15:54:41
शनि		कुम्भ	पू०भाद्रपद	27:19:34
राहु	व	मीन	पू०भाद्रपद	03:15:13
केतु	व	कन्या	उ०फाल्गुनी	03:15:13
मुंथा		मिथुन	मृगशिरा	03:45:13

मासाधिपति

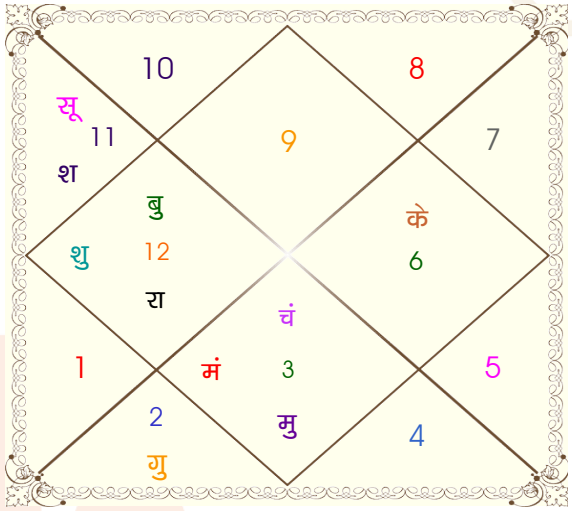

मासाधिपति : शनि

यह मास आपके लिए विशेष शुभ नहीं रहेगा तथा विविध प्रकार से आप कठिनाइयों की अनुभूति करेंगी। बन्धु वर्ग से इस समय आपके सम्बन्ध तनावपूर्ण रहेंगे एवं इनसे आप कष्ट प्राप्त करेंगी। साथ ही आपका शत्रुपक्ष भी प्रबल रहेगा जिससे उनकी ओर से आप चिन्तित एवं भयातुर रहेंगी। आपके उत्साह में भी इस मास न्यूनता परिलक्षित होगी तथा व्यय भी आवश्यकता से अधिक होगा जिससे आप आर्थिक रूप से परेशानी प्राप्त करेंगी। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा लालची प्रवृति की प्रधानता रहेगी। स्वबन्धुवर्ग एवं मित्रों से आपके तनावपूर्ण संबंध रहेंगे जिससे मित्र गण भी शत्रु के समान व्यवहार करेंगे अतः आप स्वयं को मानसिक रूप से अस्वस्थ महसूस करेंगी। इसके अतिरिक्त समाजिक जनों से भी विवाद या संघर्ष की स्थिति उत्पन्न होगी। अतः सावधानीपूर्वक समय के अशुभ प्रभाव को मध्य नजर रखते हुए अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

साथ ही इस मास में आप गर्मी तथा पित्तजनित दोषों से शारीरिक अस्वस्थता प्राप्त करेंगी एवं रक्त सम्बन्धी विकार से भी कष्टानुभूति करेंगी। इसके अतिरिक्त शारीरिक सुरक्षा का ध्यान रखें तथा दुर्घटना से भी बचें। इस समय अग्नि से भी किसी प्रकार की हानि हो सकती है। इस प्रकार यह मास आपके लिए सामान्यतया कष्टदायक रहेगा।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

तृतीय मास

07/04/2025 08:35:46 से 08/05/2025 02:48:33 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	रोहिणी	10:05:38
सूर्य		मीन	रेवती	23:20:41
चन्द्र		कर्क	आश्लेषा	17:49:18
मंगल		कर्क	पुनर्वसु	01:30:11
बुध	व	मीन	पू०भाद्रपद	02:37:16
गुरु		वृष	रोहिणी	22:45:11
शुक्र	व	मीन	पू०भाद्रपद	01:07:24
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	01:00:27
राहु		मीन	पू०भाद्रपद	03:06:04
केतु		कन्या	उ०फाल्गुनी	03:06:04
मुंथा		मिथुन	मृगशिरा	06:15:13

मासाधिपति

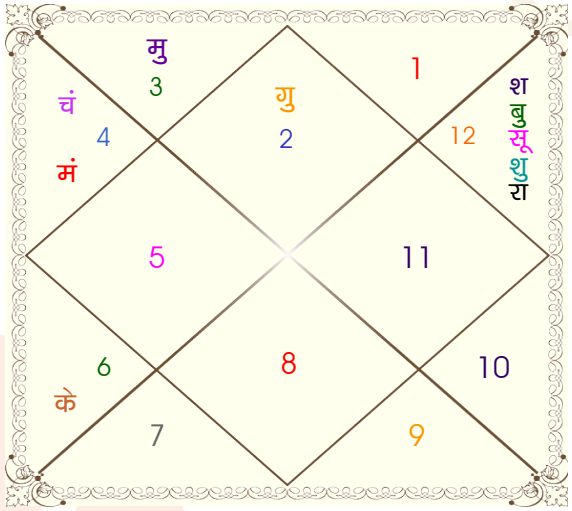

मासाधिपति : शुक्र

इस मास में आप अपने उत्साह एवं परिश्रम द्वारा धनार्जन करने में सफल रहेंगी तथा समाज से यश एवं प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी। बन्धु वर्ग एवं मित्रों से आपके सम्बन्धों में मधुरता रहेगी तथा उनसे आप उचित सहयोग तथा सम्मान प्राप्त करेंगी। सरकार के उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप आश्रय प्राप्त करेंगी तथा वे लोग आपसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे फलतः आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी सिद्ध होंगे। इस मास में आप मिष्ठान्न का भी अधिक मात्रा में प्रयोग करेंगी तथा शरीर से आप पूर्ण स्वस्थ्य रहेंगी। आपके शत्रु इस समय आपसे कमजोर रहेंगे अतः उन्हें पराजित करने में आप सफल रहेंगी। पति से आप पूर्ण सुख प्राप्त करेंगी तथा व्यापारादि कार्यों में भी आप उचित लाभार्जन करके धन प्राप्त करेंगी। इस प्रकार यह मास आपके लिए शुभ लाभदायक रहेगा।

साथ ही इस मास में आप पुरुष वर्ग से पूर्ण सहयोग तथा लाभार्जन करने में भी सफल रहेंगी। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन लाभ होता रहेगा। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा इस समय आप किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी कर सकती हैं। इसक अतिरिक्त समाजिक जनों के मध्य भी आप माननीया समझी जाएंगी।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

चतुर्थ मास

08/05/2025 02:48:33 से 08/06/2025 07:35:02 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:52:07
सूर्य		मेष	भरणी	23:20:41
चन्द्र		कन्या	उ०फाल्गुनी	00:55:21
मंगल		कर्क	पुष्य	14:36:45
बुध		मेष	अश्विनी	01:29:32
गुरु		वृष	मृगशिरा	28:33:50
शुक्र		मीन	उ०भाद्रपद	10:17:09
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	04:18:47
राहु		मीन	पू०भाद्रपद	02:08:04
केतु		कन्या	उ०फाल्गुनी	02:08:04
मुंथा		मिथुन	आर्द्रा	08:45:13

मासाधिपति

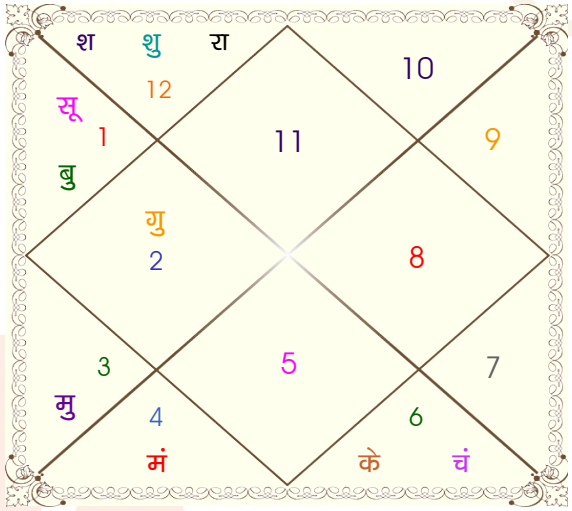

मासाधिपति : गुरु

इस मास में आप समान्यता शुभ फल ही प्राप्त करेंगी परन्तु अशुभ फल भी न्यून रूप से घटित होते रहेंगे। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव में वृद्धि होगी तथा अपने महत्वपूर्ण कार्यों को आप बुद्धिबल से ही सम्पन्न करेंगी। इस मास में आप पुत्र सुख अवश्य प्राप्त करेंगी एवं अन्य प्रकार से भी आपको धन एवं द्रव्य लाभ होगा। इस समय आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी महत्ता को मन से स्वीकार करेंगे। इसके साथ ही आपके कई शुभ कार्य इस मास में सम्पन्न होंगे तथा कहीं से किसी शुभ समाचार के मिलने की भी सम्भावना रहेगी। आपके मन में धर्म के प्रति भी श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा देवता एवं ब्राहमणों की आप श्रद्धापूर्वक पूजा एवं सेवा करेंगी। सरकार या उच्चाधिकारीवर्ग से भी आप उचित सहयोग एवं लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगी। इसके साथ ही समाज में आपकी मानप्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा मानसिक चिन्ताएं भी खत्म होंगी।

साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी होंगे। अतः आप पित्त या गर्मी द्वारा उत्पन्न रोगों से शारीरिक अस्वस्थता एवं दुर्बलता प्राप्त करेंगी तथा किसी प्रकार रुधिर विकार की भी सम्भावना रहेगी। अतः शारीरिक सुरक्षा के प्रति इस समय आपको पूर्ण सावधानी रखनी चाहिए।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

पंचम् मास

08/06/2025 07:35:02 से 09/07/2025 18:00:27 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	पुनर्वसु	23:25:44
सूर्य		वृष	मृगशिरा	23:20:41
चन्द्र		तुला	स्वाति	17:28:19
मंगल		सिंह	मघा	00:39:58
बुध		मिथुन	मृगशिरा	04:00:36
गुरु		मिथुन	मृगशिरा	05:22:55
शुक्र		मेष	अश्विनी	07:40:21
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	06:42:29
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	29:30:10
केतु	व	सिंह	उ०फाल्गुनी	29:30:10
मुंथा		मिथुन	आर्द्रा	11:15:13

मासाधिपति

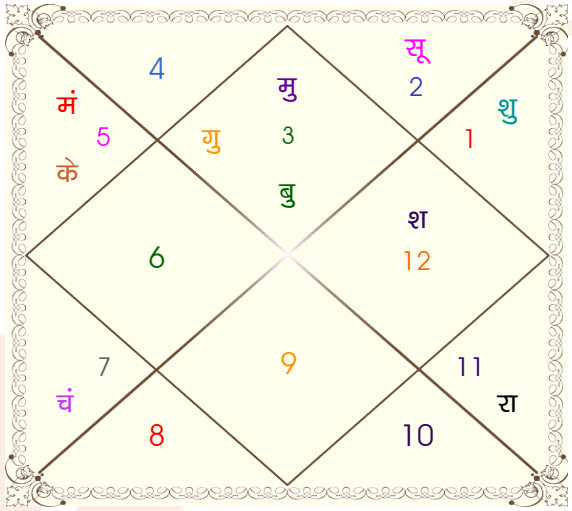

मासाधिपति : शुक्र

इस मास में आप शुभ फल प्राप्त करने में सफल रहेंगी। इससे आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा मन से भी आप शान्त रहेंगी। इस समय आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा शत्रु पक्ष को पराजित करने में आप सफल रहेंगी। साथ ही आपके आय स्त्रोंतो में भी उन्नति तथा वृद्धि होगी। फलतः इस मास में आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। इसके साथ ही व्यापार या नौकरी के अतिरिक्त आप अन्य स्त्रोंतो से भी लाभार्जन करेंगी। इस मास में आप भाग्योदय संबधी कार्य को सम्पन्न करेंगी जिससे आपके मान सम्मान में वृद्धि होगी तथा रूके हुए शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस मास में सफल हो जाएंगे। अपने मित्रों एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे पूर्ण सुख तथा सहयोग भी अर्जित करेंगी।

इसके साथ ही इस मास में आपके श्रेष्ठ जन तथा उच्चाधिकारी आपसे प्रसन्न रहेंगे एवं आप उनसे पूर्ण सहयोग अर्जित करेंगी। इस समय आजिविका संबधी कार्य में भी उन्नति होगी तथा दूर समीप की यात्रा भी कर सकती हैं। इसके अतिरिक्त आप इस समय नवीन वस्त्रों तथा द्रव्यों को भी प्राप्त कर सकेंगी। अतः यह मास आप प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगी।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

षष्ठ मास

09/07/2025 18:00:27 से 10/08/2025 03:28:55 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	मूल	03:15:22
सूर्य		मिथुन	पुनर्वसु	23:20:41
चन्द्र		धनु	मूल	07:39:43
मंगल		सिंह	पू०फाल्गुनी	18:32:00
बुध		कर्क	आश्लेषा	18:28:17
गुरु		मिथुन	आर्द्रा	12:32:08
शुक्र		वृष	रोहिणी	11:11:11
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	07:42:31
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	26:09:32
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	26:09:32
मुंथा		मिथुन	आर्द्रा	13:45:13

मासाधिपति

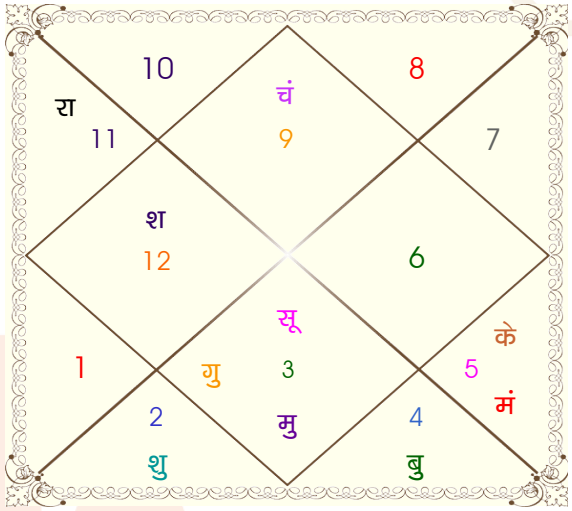

मासाधिपति : गुरु

इस महीने में आप शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगी। इस समय आप पति तथा बन्धुजनों से कष्ट प्राप्त करेंगी अथवा इनको किसी प्रकार का कष्ट हो सकता है। आपके शत्रु भी इस मास में बलवान रहेंगे फलतः आपके लिए वे समय समय पर समस्याएं उत्पन्न करेंगे जिससे आप उनसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगी। इस समय आप में लोलुपता के भाव की अधिकता रहेगी धन का व्यय भी अनावश्यक रूप से अधिक होगा जिससे आप आर्थिक दृष्टि से भी कमजोर होंगी। इस समय आपके मन में उत्साह के भाव की कमी स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर होंगी। साथ ही शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा इससे आप दुर्बलता की अनुभूति भी करेंगी। मित्रों एवं बन्धुओं से आपके परस्पर अच्छे संबध नहीं रहेंगे तथा ये सभी लोग ऐसे समय में शत्रुओं की तरह व्यवहार करेंगे जिससे आप मानसिक कष्ट प्राप्त करेंगी। साथ ही पारिवारिक तथा अन्य जनों से भी वाद विवाद होते रहेंगे। अतः संयम पूर्वक समय को व्यतीत करें।

साथ ही इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ आप शुभ फल भी अर्जित करेंगी। इससे आप पति एवं पुत्र से सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगी तथा इनसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगी। इसके अतिरिक्त इस मास में आप नवीन वस्त्र या आभूषणों आदि को भी प्राप्त करने में समर्थ हो सकेंगी।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

सप्तम् मास
10/08/2025 03:28:55 से 10/09/2025 05:41:34 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	पुनर्वसु	23:46:04
सूर्य		कर्क	आश्लेषा	23:20:41
चन्द्र		कुम्भ	धनिष्ठा	00:44:16
मंगल		कन्या	उ०फाल्गुनी	07:37:09
बुध	व	कर्क	पुष्य	10:08:33
गुरु		मिथुन	आर्द्रा	19:22:19
शुक्र		मिथुन	आर्द्रा	17:07:59
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	07:05:12
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:18:33
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	24:18:33
मुंथा		मिथुन	आर्द्रा	16:15:13

मासाधिपति

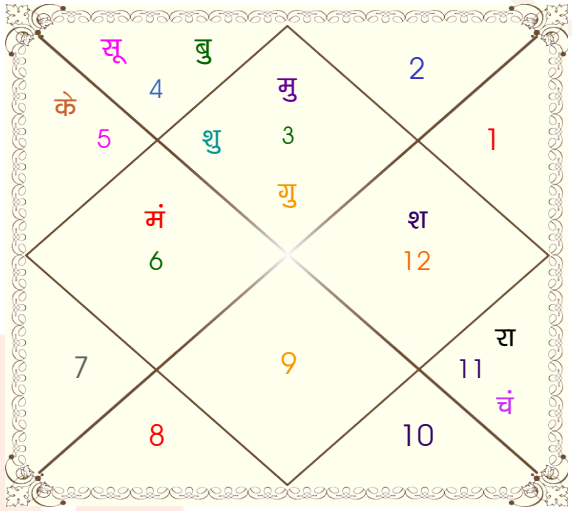

मासाधिपति : शनि

इस मास में सुख एवं प्रसन्नता अर्जित करने में आप सफल रहेंगी तथा आनन्द पूर्वक समय को व्यतीत करेंगी। इस समय आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी शान्त तथा प्रसन्न रहेंगी। इस मास में आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा शत्रु वर्ग आपसे पराजित एवं भयभीत रहेगा। साथ ही विविध प्रकार से आय स्त्रोतों में वृद्धि होगी। नौकरी या व्यापार के अतिरिक्त आप अन्य स्त्रोतों से लाभार्जन भी कर सकेंगी जिससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। सामाजिक जनों तथा मित्रों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे आप उचित सहयोग तथा सम्मान अर्जित करने में सफल रहेंगी। साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप यथोचित सहयोग एवं लाभ अर्जित करने में भी सफल सिद्ध होंगी। इस मास में आप सौभाग्य शाली रहेंगी तथा आपके अधिकाशं शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इसी समय सिद्ध होंगे। इसके अतिरिक्त सांसारिक कार्यो को पूर्ण करने में भी आप सफल रहेंगी।

साथ ही इस मास में आप पति से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगी। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धनार्जन होता रहेगा। इसके अतिरिक्त किसी धार्मिक कार्य को भी आप इस समय सम्पन्न कर सकती हैं। साथ ही मित्र एवं बन्धु वर्ग में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा उनसे आप यथोचित सहयोग एवं सम्मान प्राप्त करने में सफल रहेंगी।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

अष्टम् मास
10/09/2025 05:41:34 से 10/10/2025 20:28:11 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	पू०फाल्गुनी	17:46:10
सूर्य		सिंह	पू०फाल्गुनी	23:20:41
चन्द्र		मीन	रेवती	23:41:47
मंगल		कन्या	चित्रा	27:35:13
बुध		सिंह	पू०फाल्गुनी	20:10:09
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	25:12:32
शुक्र		कर्क	आश्लेषा	24:12:17
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	05:09:16
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:07:05
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	24:07:05
मुंथा		मिथुन	आर्द्रा	18:45:13

मासाधिपति

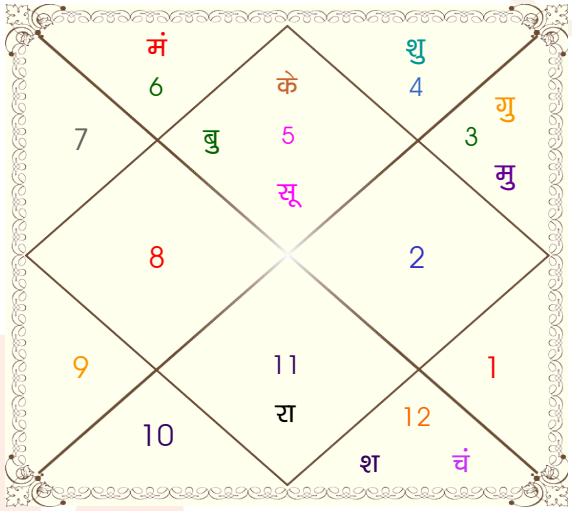

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए अत्यन्त ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय सौभाग्य से आप युक्त रहेंगी तथा पति से पूर्ण सुख तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगी। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप इच्छित लाभ तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगी। जिससे आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे। इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से आप सन्तुष्ट तथा शान्त रहेंगी। अध्ययन या ज्ञानार्जन के प्रति भी आप अपनी रूचि का प्रदर्शन करेंगी। बन्धुवर्ग एवं मित्रों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आपको उचित मान सम्मान प्राप्त होगा। साथ ही वे आपको अपना पूर्ण सहयोग भी प्रदान करेंगे। इस समय आप वांछित द्रव्यों को प्राप्त करेंगी एवं उनके उपभोग से सुखानुभूति प्राप्त करेंगी। संतति पक्ष से भी आप निश्चिन्त रहेंगी तथा आपकी मनोकामनाएं भी इस समय पूर्ण होंगी।

साथ ही इस मास में आप पति का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगी तथा उनसे आपको अपेक्षित सहयोग भी प्राप्त होता रहेगा। आपकी बुद्धि इस समय निर्मल रहेगी तथा वांछित धन लाभ तथा सुख अर्जित करने में आप सफल रहेंगी। इसके अतिरिक्त इस मास में आपको समाज से पूर्ण सम्मान तथा यश प्राप्त होगा एवं धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

नवम् मास
10/10/2025 20:28:11 से 09/11/2025 22:51:57 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	रोहिणी	12:09:17
सूर्य		कन्या	चित्रा	23:20:41
चन्द्र		वृष	रोहिणी	11:49:04
मंगल		तुला	स्वाति	18:14:46
बुध		तुला	स्वाति	11:36:20
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	29:18:22
शुक्र		कन्या	उ०फाल्गुनी	01:44:09
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	02:50:13
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	23:48:16
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	23:48:16
मुंथा		मिथुन	पुनर्वसु	21:15:13

मासाधिपति

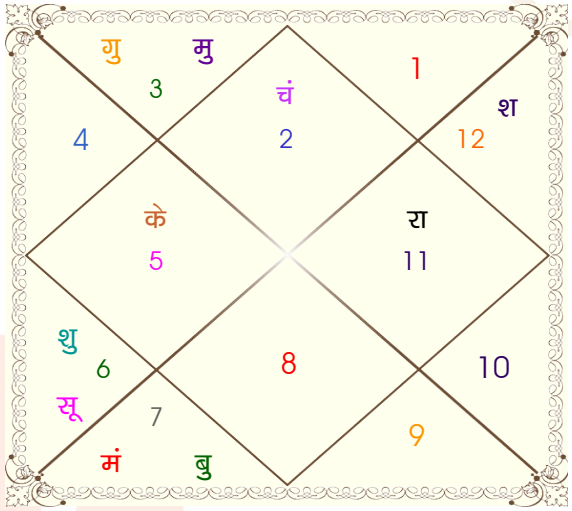

मासाधिपति : शुक्र

इस मास में आप अत्यधिक उत्साह के साथ धनार्जन करने में सफल रहेंगी। साथ ही समाज से भी आप को पूर्ण मान एवं प्रतिष्ठा प्राप्त होगी तथा यश भी दूर दूर तक फैलेगा। इस समय परिवार एवं मित्रजनों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगी। साथ ही इनसे आप मान सम्मान भी अर्जित करेंगी। उच्चाधिकारी वर्ग से इस मास में आप आश्रय प्राप्त करेंगी तथा अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य को भी सिद्ध करने में भी सफल रहेंगी। आपका स्वास्थ्य भी ठीक रहेगा एवं शारीरिक बल में भी वृद्धि होगी। इस समय आप भोजन में मिष्ठान्न का अधिक उपयोग करेंगी। आपका शत्रुपक्ष इस मास में क्षीण रहेगा अतः उनको पराजित करने में आप समर्थ रहेंगी। पति से आप पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगी तथा व्यापारिक कार्यो से अतिरिक्त आय एवं लाभ अर्जित करने में आपको सफलता प्राप्त होगी।

साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ साथ यदाकदा अशुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप शीत या वातोत्पन रोगों से कष्ट प्राप्त कर सकती हैं। इसके अतिरिक्त आग के द्वारा भी आप न्यूनाधिक क्षति प्राप्त करेंगी। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करना चाहिए।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

दशम् मास
09/11/2025 22:51:57 से 09/12/2025 15:12:48 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	पुष्य	11:43:33
सूर्य		तुला	विशाखा	23:20:41
चन्द्र		मिथुन	पुनर्वसु	21:39:39
मंगल		वृश्चिक	अनुराधा	09:30:19
बुध		वृश्चिक	अनुराधा	12:38:33
गुरु		कर्क	पुनर्वसु	00:55:37
शुक्र		तुला	स्वाति	09:15:45
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	01:14:19
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	22:00:18
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	22:00:18
मुंथा		मिथुन	पुनर्वसु	23:45:13

मासाधिपति : मंगल

मासाधिपति

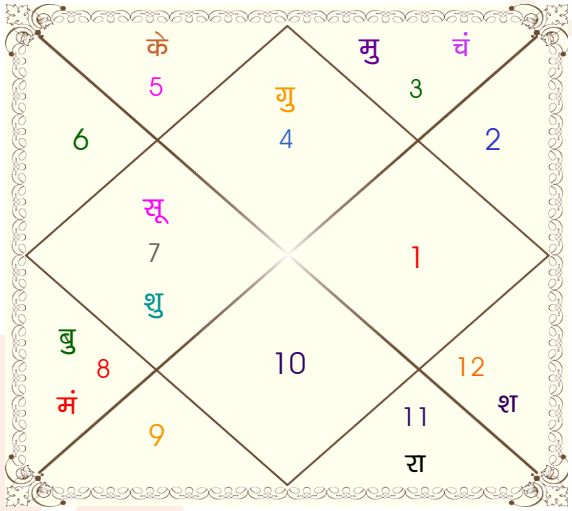

इस मास में आप शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को प्राप्त करेंगी। इस समय आपका धन व्यय अधिक मात्रा में होगा फलतः आर्थिक दृष्टि से आप कमजोर रहेंगी। साथ ही आप दुष्ट जनों की संगति प्राप्त करेंगी जिससे आपको कष्ट होंगे। आपका स्वास्थ्य भी विशेष अच्छा नहीं रहेगा। अतः शरीर में दुर्बलता विद्यमान रहेगी तथा मन से भी आप अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगी। इस मास में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत परिश्रम करने पर भी अल्प मात्रा में ही सिद्ध होंगे। साथ ही धर्म के प्रति भी आप उपेक्षा का भाव रखेंगी। इसके अतिरिक्त अन्य प्रकार से भी धन हानि होने की संभावना बनी रहेगी। इस समय बन्धु एवं मित्रों से आपके तनाव पूर्ण संबध रहेंगे। साथ ही जिस कार्य को इस मास में प्रारम्भ करेंगी उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही हाथ लगेगी। इस प्रकार यह समय आपके लिए सामान्यतया कष्टदायक ही रहेगा।

साथ ही इस मास में यदाकदा शुभ फलों की भी आपको प्राप्ति होगी। अतः आप पति एवं पुत्र से सुख प्राप्त करने में सफल रहेंगी तथा इनसे आपको वांछित सहयोग भी प्राप्त होता रहेगा। इसके अतिरिक्त इस मास में आप नवीन वस्त्र या वस्तुओं को भी प्राप्त करने में सफल हो सकती हैं।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

एकादश मास

09/12/2025 15:12:48 से 08/01/2026 02:20:47 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	भरणी	19:02:05
सूर्य		वृश्चिक	ज्येष्ठा	23:20:41
चन्द्र		कर्क	आश्लेषा	23:43:35
मंगल		धनु	मूल	01:20:16
बुध		वृश्चिक	विशाखा	02:48:16
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	29:40:45
शुक्र		वृश्चिक	अनुराधा	16:32:51
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	01:03:02
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	18:52:58
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	18:52:58
मुंथा		मिथुन	पुनर्वसु	26:15:13

मासाधिपति : मंगल

मासाधिपति

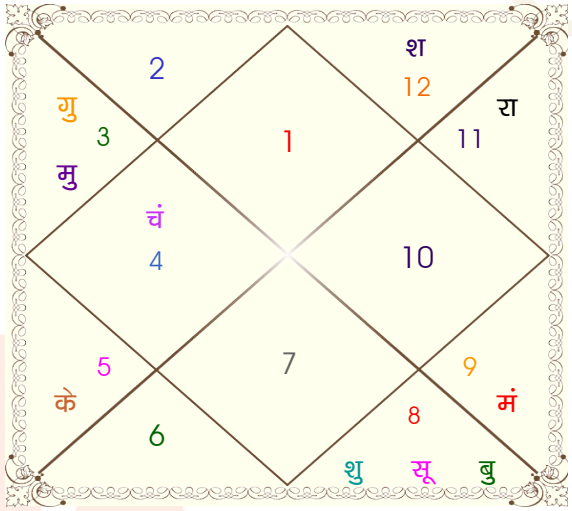

इस महीने में आप शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी अल्प मात्रा में प्राप्त करेंगी। इस समय आप अपने पराक्रम के द्वारा धन अर्जित करने में समर्थ रहेंगी तथा विविध प्रकार से सांसारिक सुखों का भी प्रसन्नता पूर्वक उपभोग करेंगी। समाज में आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको यथा योग्य सम्मान प्रदान करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा का भाव रहेगा एवं विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करती रहेंगी। मित्रों एवं बन्धुओं से आपके घनिष्ठ संबध रहेंगे तथा उनसे आपको यथोचित मान सम्मान की प्राप्ति होती रहेगी साथ ही समाज के अन्य लोंगो की भी भलाई करती रहेंगी। उच्चाधिकारी वर्ग से आपको आश्रय तथा सम्मान प्राप्त होगा एवं आपके शुभ तथा महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस समय पूर्ण होंगी फलतः आप मानसिक रूप से भी प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप गर्मी से उत्पन्न होने वाले रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगी तथा रक्त विकार की भी संभावना रहेगी। अतः शारीरिक सुरक्षा का इस मास में पूर्ण ध्यान रखें तथा सावधानी पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

द्वादश मास

08/01/2026 02:20:47 से 06/02/2026 14:20:49 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	स्वाति	16:05:53
सूर्य		धनु	पूर्वाषाढ़ा	23:20:41
चन्द्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	21:14:19
मंगल		धनु	पूर्वाषाढ़ा	23:44:43
बुध		धनु	पूर्वाषाढ़ा	15:02:56
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	26:13:19
शुक्र		धनु	पूर्वाषाढ़ा	23:37:34
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	02:22:52
राहु		कुम्भ	शतभिषा	16:03:44
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	16:03:44
मुंथा		मिथुन	पुनर्वसु	28:45:13

मासाधिपति

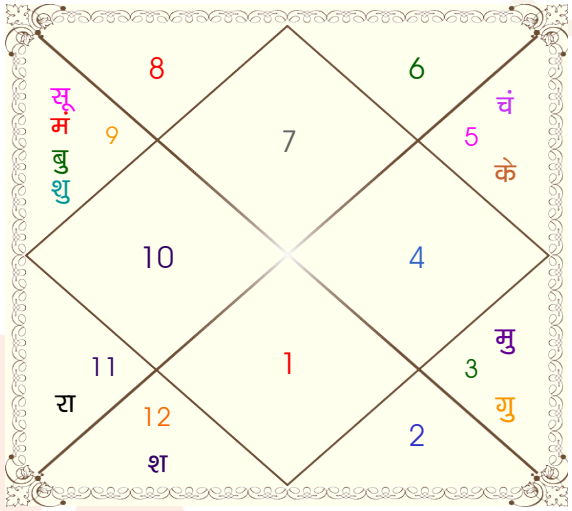

मासाधिपति : बुध

इस मास में आप शुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगी साथ ही अल्प मात्रा में अशुभ फल भी मिलते रहेंगे। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में सफल रहेंगी तथा उच्चाधिकारी वर्ग से पूर्ण सहयोग एवं सम्मान भी अर्जित करेंगी। आपसे वे सभी प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे। फलतः आपके अधिकाशं शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में यथासमय सिद्ध हो जाएंगे। आपके घर में इस समय कोई धार्मिक उत्सव भी सम्पन्न हो सकता है। संतति पक्ष से भी आप सुखी रहेंगी तथा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में अनन्य श्रद्धा का भाव रहेगा तथा नियमपूर्वक उनकी पूजा तथा सेवा करने में तत्पर रहेंगी। इस मास में सामाजिक जनों के मध्य आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। साथ ही आपके भाग्योदय संबधी कार्य भी सम्पन्न होंगे। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता का भाव विद्यमान रहेगा तथा लाभदायक यात्रा के भी योग बनेंगे। इसके अतिरिक्त बन्धु एवं मित्रों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा समाज में भी पूर्ण आदर प्राप्त करेंगी।

साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप गर्मी या पित रोगों से उत्पन्न रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी तथा किसी अन्य कारण से रक्त विकार की भी संभावना रहेगी। अतः शारीरिक सुरक्षा का ध्यान रखें एवं बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com